खबर संक्षेप

नाबालिग से दरिंदगी करने वाला आरोपी धराया

शहडोल। जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक नाबालिग बालिका को बहला-फुसलाकर अगवा करने और उसके साथ जबरन मुंह काला करने वाले कलयुगी दरिंदे को शहडोल पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। पकड़े गए शातिर आरोपी को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे सीधे जेल की हवा खाने भेज दिया गया है। दिल दहला देने वाले इस घटनाक्रम के मुताबिक, न्यू बरौंधा निवासी आरोपी ओमप्रकाश केवट उम्र 26 पिता कोदूलाल केवट ने मासूम को अपनी हवस का शिकार बनाया। पीड़िता की रिपोर्ट के अनुसार, वहशी ओमप्रकाश ने पूर्व में भी उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए थे। आरोपी के हौसले इतने बुलंद थे कि उसने बीती 27-28 जून की दरमियानी रात दोबारा नाबालिग को बहलाया-फुसलाकर अगवा किया और अपने घर ले जाकर उसके आत्मसम्मान को तार-तार कर दिया। मासूम के लापता होने के बाद पीड़िता की मां की सूझबूझ से पुलिस ने मुस्तैदी दिखाई और बालिका को दस्तयाब (बरामद) किया। ब्यौहारी पुलिस ने 29 जून को पॉक्सो एक्ट सहित गंभीर धाराओं में अपराध पंजीबद्ध कर जांच शुरू की। घटना के बाद से ही आरोपी फरार चल रहा था, जिसे पुलिस टीम ने घेराबंदी कर 2 जुलाई को धर दबोचा। इस कार्रवाई में ब्यौहारी थाना प्रभारी निरीक्षक जिया उल हक के कुशल नेतृत्व में उप निरीक्षक राजकुमार और आरक्षक राजीव सिंह की मुख्य भूमिका रही।

जैतपुर में आयोजित किया गया विशेष कैंप, 29 दिव्यांगो का बना प्रमाण पत्र

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के निर्देशानुसार जिले में दिव्यांग बच्चों की शीघ्र पहचान एवं त्वरित दिव्यांगता प्रमाण-पत्र जारी करने हेतु शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जिनमे ऐसे दिव्यांग बच्चे जिनकी आयु 0 से 18 वर्ष है उनके आकलन पश्चात जिले के विभिन्न विषय विशेषज्ञों की उपस्थिति में दिव्यांगता प्रमाण-पत्र बनाये जा रहे है। इसी अनुक्रम में तहसील जैतपुर में शिविर विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 29 बच्चों का दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाया गया एवं 2 दिव्यांगो को चिन्हित कर जिला चिकित्सालय में जांच हेतु भिजवाया गया। ज्ञात हो कि 4 जुलाई को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ब्यौहारी को विशेष कैंप आयोजित किया जाएगा।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खण्ड शहडोल में किया पौधरोपण

शहडोल। पर्यावरण संरक्षण एवं हरित वातावरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खण्ड शहडोल के कार्यालय प्रांगण में कार्यपालन यंत्री श्री एस. एल. धुर्वे के नेतृत्व में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया तथा उनके संरक्षण एवं नियमित देखभाल का संकल्प लिया गया। कार्यपालन यंत्री श्री एस. एल. धुर्वे ने कहा कि वृक्ष पर्यावरण संतुलन बनाए रखने, स्वच्छ वायु उपलब्ध कराने तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी देखभाल करने का आह्वान किया।

न कानून का डर, न कोर्ट के स्टे का असर, नोटिस के बाद भी निर्माण जारी

राजस्व विभाग के रसूखदार गठजोड़ ने बेची सरकारी जमीन

शहडोल। जिला मुख्यालय के ठीक मुहाने पर बसे कल्याणपुर में इन दिनों राजस्व विभाग के भ्रष्ट गठजोड़ ने मप्र शासन की बेशकीमती संपत्तियों को अपनी जगीर समझकर लूटना शुरू कर दिया है। सरकारी जमीन, जिसे संरक्षित करने की कानूनी जिम्मेदारी जिला प्रशासन और राजस्व अमले की थी, आज उसे ऑफ-रिकॉर्ड चंद रुपयों की खातिर अतिक्रमणकारियों के हवाले किया जा रहा है। ताज़ा और सबसे शर्मनाक मामला महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यालय के ठीक सामने का है, जहां खसरा नंबर 23/2/1 की मप्र शासन की बेशकीमती शासकीय भूमि का सौदा कथित तौर पर 4 से 5 लाख रुपये के टेबल-नीचे के लेन-देन में कर दिया गया। अब वहां प्रशासनिक संरक्षण में बेधडक्र और धड़ल्ले से पक्का अवैध निर्माण कार्य जारी है। रद्दी का टुकड़ा साबित हुआ तहसीलदार का नोटिस इस अतिक्रमण को लेकर हरिभूमि समाचार पत्र में बीती 18 जून को प्रमुखता से खबर प्रकाशित की गई थी। खबर छपने के बाद प्रशासनिक हलके में हडक्रंप मचने का ढोंग तो हुआ, जिसके बाद आनन-फानन में न्यायालय तहसीलदार सोहागपुर द्वारा धारा 248 के तहत अनावेदक विजय कुमार साहू पिता रामकिशोर साहू के खिलाफ 19 जून 2026 को एक स्थगन आदेश/ कारण बताओ नोटिस जारी किया गया, इस सरकारी आदेश में साफ लिखा था कि तत्काल निर्माण कार्य रोककर भूमि के वर्तमान स्वरूप को बनाए रखें, अन्यथा बलपूर्वक बेदखली की जाएगी, लेकिन, इस नोटिस की हकीकत महज़ एक रद्दी के टुकड़े से ज्यादा कुछ साबित नहीं हुई। भू-माफिया के हौसले इतने बुलंद हैं कि नोटिस तामील होने के बाद भी अतिक्रमणकारी का निर्माण कार्य एक सेकंड के लिए भी नहीं रुका। जिस दिन तहसीलदार का यह नोटिस जारी हुआ था, उस वक्त शासकीय भूमि पर अतिक्रमण की दीवारें अधूरी और छोटी थीं। लेकिन आज राजस्व विभाग के मौन संरक्षण के चलते वे दीवारें पूरी खड़ी हो चुकी हैं और छत ढालने की तैयारी है। जब शासन और उसका जिम्मेदार अमला अपनी नाक के नीचे शासकीय भूमि नहीं बचा पा रहा है, तो आम जनता इनसे क्या उम्मीद रखे?

राजस्व विभाग की नाक के नीचे बिका शासकीय भू-खण्ड
शहडोल में सरकारी जमीन की मची है लूट

पटवारी प्रद्युमन पयासी की संदिग्ध चुप्पी

हैरानी और घोर आपत्ति की बात यह है कि स्थानीय हल्का पटवारी प्रद्युमन पयासी को इस अवैध कब्जे, अवैध सौदेबाजी और कोर्ट के आदेश की अवहेलना की पल-पल की जानकारी है। इसके बावजूद, मौके पर पटवारी या राजस्व टीम द्वारा कोई ठोस दंडात्मक कार्रवाई न करना कई गंभीर सवाल खड़े करता है। क्या पटवारी की यह रहस्यमयी चुप्पी और निष्क्रियता किसी बड़े राजनीतिक या प्रशासनिक आशीर्वाद का परिणाम है? आखिर क्यों एक जिम्मेदार सरकारी कारिंदा अपनी आंखों के सामने सरकारी संपत्ति को लुटते देख हाथ पर हाथ धरे बैठा है? जनता अब सीधे पूछ रही है कि पटवारी साहब की निष्ठा सरकारी नियमों और मप्र शासन के प्रति है या फिर उन भू-माफियाओं के प्रति जिन्होंने सरकारी जमीन को अपनी जागीर बना रखा है।

कमाई का एटीएम बना राजस्व विभाग

यह समस्या सिर्फ कल्याणपुर तक सीमित नहीं है। जिला मुख्यालय के चारों ओर और कस्बाई क्षेत्रों में राजस्व विभाग के जिम्मेदारों ने सरकारी भूमि को अपनी अवैध कमाई का एटीएम बना लिया है। अतिक्रमणकारी जमीन चिह्नित करते हैं और राजस्व अमला कागजों में हेरफेर या मौन समर्थन देकर कब्जा पक्का करा देता है। कल्याणपुर में आज भी दर्जनों ऐसे आलीशान भवन सीना ताने खड़े हैं, जिनकी नींव सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे के साथ रखी गई थी, लेकिन सोहागपुर तहसील और जिला प्रशासन ने कभी उन पर बुलडोजर चलाने की जहमत नहीं उठाई। शासकीय भूमि पर मंडराता यह खतरा जिला प्रशासन की कार्यप्रणाली पर एक बदनुमा दाग है। जब जिला मुख्यालय की नाक के नीचे सरकारी दफ्तर के सामने की जमीन कौडिय़ों के दाम बिक रही हो और कोर्ट के स्टे आर्डर को भू-माफिया ठेंगे पर रख रहे हों, तो दूरदराज के क्षेत्रों की रामभरोसे स्थिति का अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है। अब जिले के जागरूक नागरिकों की नजरें नवागत कलेक्टर पर टिकी हैं।

थाना प्रभारी मुकेश मर्शकोले को नम आंखों से दी गई विदाई

मानपुर थाना परिसर में भावुक विदाई

मानपुर। थाना प्रभारी मुकेश मर्शकोले के कोतवाली उमरिया स्थानांतरण पर गुरुवार को मानपुर थाना परिसर में भावभीनी विदाई समारोह आयोजित किया गया। मानपुर में लगभग 23 माह के सफल एवं उल्लेखनीय कार्यकाल के बाद उनके स्थानांतरण पर जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों, गणमान्य नागरिकों, पत्रकारों, क्षेत्रवासियों तथा पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उन्हें नम आंखों से विदाई देते हुए उनके कार्यों की सराहना की। वक्ताओं ने कहा कि श्री मर्शकोले ने अपने कार्यकाल में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के साथ अपराध नियंत्रण में सक्रिय भूमिका निभाई। उनकी सबसे बड़ी पहचान आमजन के प्रति सहज, सरल और सम्मानपूर्ण व्यवहार रही। थाना आने वाला प्रत्येक फरियादी बिना किसी संकोच के अपनी बात रख पाता था और उसकी समस्या को गंभीरता से सुना जाता था। इसी कारण उन्होंने पुलिस और जनता के बीच विश्वास का मजबूत संबंध स्थापित किया।

इस अवसर पर नवनियुक्त थाना प्रभारी ब्रजकिशोर गर्ग का स्वागत भी किया गया। सभी ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए क्षेत्र में बेहतर कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा जनता के साथ समन्वय की परंपरा को आगे बढ़ाने की अपेक्षा व्यक्त की।

समारोह में शारदा प्रसाद गौतम, रामकिशोर चतुर्वेदी, हरीश विश्वकर्मा, विजय सिंह, कुशलेंद्र तिवारी, अनुरुद्ध मिश्रा, उमाशंकर पटेल, विजय गौतम, राममोल केवट, खालीक अंसारी, अजय द्विवेदी, त्रिवेणी शरण द्विवेदी, विष्णु तिवारी, संजय तिवारी बालकदास बैगा (सरपंच), कुलदीप गुप्ता, बजरंग सोनी, वीरेंनद्र प्रभाकर, रवि सेन, जय प्रकाश शर्मा, शैलेश त्रिपाठी, सनथ द्विवेदी, लाला तिवारी, भोला पटेल, कुश परिहार, रितिक प्यासी, गोलू सोनी, शेख आशिक, मुमताज शाह,बुल्लू मिश्रा सत्यम गुप्ता, मुन्ना गुप्ता सहित सैकड़ों नगरवासी, क्षेत्रवासी एवं थाना स्टाफ उपस्थित रहे। समारोह के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने श्री मर्शकोले को पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विदाई के दौरान वातावरण भावुक हो गया और उपस्थित लोगों ने कहा कि मानपुर में उनकी कार्यकुशलता, अनुशासन, जनसरोकार और सौम्य व्यवहार को लंबे समय तक याद रखा जाएगा।

सरकार की उल्टी गिनती शुरू, कांग्रेस का आर-पार का ऐलान

युवाओं और किसानों की पीठ में घोंपा छुरा: कांग्रेस

शहडोल। मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार के खिलाफ कांग्रेस ने अब पूरी तरह से युद्धस्तर पर मोर्चा खोल दिया है। युवाओं के भविष्य से खिलवाड़, किसानों की बदहाली, उज्जैन भूमि घोटाला और भ्रष्टाचार के गंभीर मुद्दों को लेकर प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर शहडोल में भी सियासी पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया है। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय अवस्थी ने प्रेस वार्ता में दो टूक कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जनता के सुलगते सवालों का जवाब दें, अन्यथा अपने पद से इस्तीफा दें।प्रेस वार्ता में जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी ने शिवराज-मोहन राज की नीतियों पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि प्रदेश का युवा और किसान आज खून के आंसू रो रहा है।

नीट और सीबीएसई जैसी परीक्षाओं में धांधली ने लाखों छात्रों का भविष्य अंधकार में धकेल दिया है। राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस इस छात्रों की गूंज को सडक़ से सदन तक उठाएगी। वहीं, अन्नदाता खाद-बिजली के लिए दर-दर भटक रहा है। डीएपी और यूरिया की भयंकर किल्लत है, टोकन के नाम पर किसानों को प्रताड़ित किया जा रहा है और खाद की खुलेआम कालाबाजारी हो रही है। मूंग खरीदी का कोटा घटाकर सरकार ने किसानों की आर्थिक कमर तोड़ दी है।कांग्रेस ने सीधे मुख्यमंत्री को कटघरे में खड़ा करते हुए पूछा कि राष्ट्रीय मीडिया में उजागर हुए उज्जैन भूमि प्रकरण पर सरकार मौन क्यों है, अगर मुख्यमंत्री पाक-साफ हैं, तो निष्पक्ष जांच से क्यों भाग रहे हैं? इतना ही नहीं, आस्था के केंद्र महाकाल लोक परियोजना में हुए घटिया निर्माण और अयोध्या राम मंदिर चंदे में वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों ने करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था को ठेस पहुंचाई है। भ्रष्टाचारियों को बेनकाब करने के लिए कांग्रेस जल्द ही एक विशेष डिजिटल पोर्टल लॉन्च करने जा रही है, जहां जनता गोपनीय तरीके से घोटालों के सबूत साझा कर सकेगी।

कांग्रेस ने सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए चरणबद्ध जनआंदोलन का पूरा खाका तैयार कर लिया है, 14-15 जुलाई को इंदौर से भोपाल तक विशाल मेगा सायक्लोथॉन। 15 जुलाई को राजधानी भोपाल में मुख्यमंत्री निवास का ऐतिहासिक घेराव। जुलाई अंतिम सप्ताह में उज्जैन की धरती पर भूमि घोटाले के खिलाफ महा-आक्रोश रैली। अजय अवस्थी ने चेतावनी दी कि जब तक युवाओं को न्याय और किसानों को अधिकार नहीं मिल जाता, कांग्रेस चैन से नहीं बैठेगी। आगामी विधानसभा सत्र में भी सरकार को हर मोर्चे पर घेरा जाएगा। इस दौरान नपा अध्यक्ष घनश्याम जयसवाल, कुलदीप निगम, मुख्य प्रवक्ता पीयूष शुक्ला, अनुज मिश्रा और प्रभात पाण्डेय सहित कई दिग्गज कांग्रेसी मौजूद रहे।

रिश्वत वसूलते मेडिकल ऑफिसर गिरफ्तार

शहडोल। सरकारी महकमों में बैठे भ्रष्टाचारियों की जड़ें कितनी गहरी हो चुकी हैं, इसका एक और शर्मनाक वाकया जयसिंहनगर में सामने आया है। यहां जनता की सेहत सुधारने की जिम्मेदारी संभालने वाले एक सरकारी डॉक्टर खुद भ्रष्टाचार की गंभीर बीमारी से ग्रसित निकले। लोकायुक्त रीवा की टीम ने शुक्रवार 3 जुलाई को कार्रवाई को अंजाम देते हुए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र उफरी में पदस्थ मेडिकल ऑफिसर डॉ. महेश चंद्र शर्मा को 5 हजार रुपये की घूस लेते रंगे हाथों दबोच लिया। आरोपी डॉक्टर एक महिला कर्मचारी की रवानगी (कार्यमुक्ति) रोकने और संलग्नीकरण आदेश निरस्त करने के नाम पर खुलेआम सौदेबाजी कर रहा था। उमरिया जिले के पाली (पटनार खुर्द) निवासी वीरेंद्र सिंह ने 18 मई 2026 को लोकायुक्त रीवा में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। वीरेंद्र ने बताया था कि उनकी पत्नी पार्वती सिंह की रवानगी न करने और उनके ट्रांसफर/संलग्नीकरण के आदेश को रद्दी की टोकरी में डालने के बदले में डॉ. महेश चंद्र शर्मा उम्र 38 वर्ष 10 हजार रुपये की मोटी रकम की डिमांड कर रहा था। शिकायत मिलते ही लोकायुक्त एसपी योगेश्वर शर्मा ने मामले का गोपनीय सत्यापन कराया, जिसमें घूसखोरी की बात सौ फीसदी सच साबित हुई। डॉक्टर साहब पहले ही किश्त के रूप में 5 हजार रुपये डकार चुके थे और बाकी के 5 हजार के लिए लगातार दबाव बना रहे थे। शुक्रवार को जैसे ही शिकायतकर्ता वीरेंद्र सिंह जयसिंहनगर बस स्टैंड पर बाकी के 5 हजार रुपये देने पहुंचा, पहले से मुस्तैद लोकायुक्त के ट्रैप दल ने डॉक्टर को नोटों के साथ रंगे हाथों दबोच लिया। लोकायुक्त की इस कार्रवाई के बाद आरोपी डॉक्टर के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम (संशोधन 2018) की धारा 7 के तहत संगीन मामला दर्ज किया गया है। इस कार्रवाई से पूरे जयसिंहनगर और शहडोल के स्वास्थ्य महकमे में हडक्रंप मच गया है। साख बचाने की कोशिश में जुटे विभाग के लिए यह कार्रवाई एक बड़ा तमाचा है।

झपकी आते ही पलटी कार, रायपुर के दो कारोबारी घायल

शहडोल। सडक़ सुरक्षा के दावों की हवा उड़ाते हुए सिंहपुर-शहडोल मार्ग पर शुक्रवार की देर रात रफ्तार और थकान के जानलेवा कॉकटेल ने एक और भयानक हादसे को अंजाम दे दिया। रायपुर (छत्तीसगढ़) से शहडोल आ रहे दो कपड़ा कारोबारियों की तेज रफ्तार कार एताझर मोड़ के पास अचानक अनियंत्रित होकर सडक़ से नीचे उतर गई और कई पलटी खाते हुए पूरी तरह पिचक गई। हादसे की मुख्य वजह चालक को आई एक पल की झपकी बताई जा रही है, जो दोनों व्यापारियों के लिए काल बन सकती थी।

चीख-पुकार के बीच देवदूत बनी डायल-112

रात के सन्नाटे में हुए इस भीषण हादसे के बाद कार मलबे में तब्दील हो गई और दोनों घायल अंदर ही तड़पते रहे। गनीमत रही कि राहगीरों की सूचना पर तत्काल मौके पर पहुँचे डायल-112 के आरक्षक महेश प्रजापति और पायलट भरत कुमार ने स्थानीय लोगों की मदद से लोहे की चादरें काटकर घायलों को बाहर निकाला। दोनों को आनन-फानन में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहाँ उनकी हालत गंभीर लेकिन स्थिर बताई जा रही है।

खेतों में लौटी रौनक, तो शहर के निचले इलाकों में फूटा आफत का घड़ा

शहडोल। लंबे इंतजार के बाद जिले में मानसून ने ऐसी एंट्री मारी कि एक ही दिन में मौसम और व्यवस्था दोनों के मिजाज बदल गए। बीते 24 घंटे में जिले में हुई 41.3 मिमी की औसतन झमाझम बारिश ने जहाङ्क तपती धरती को शांत किया है, वहीं प्रशासनिक दावों की भी पोल खोलकर रख दी है। यह बारिश अन्नदाता के लिए तो उम्मीदों का वरदान बनकर बरसी है, लेकिन बदहाल ड्रेनेज सिस्टम के कारण शहरवासियों के लिए घुटने भर पानी और ब्लैकआउट (बिजली कटौती) का अभिशाप साबित हुई है। साफ है कि अब शहडोल में रहने के लिए छतरी के साथ जेब में पावरबैंक और घर में मोमबत्ती रखना मजबूरी बन चुका है।भू-संसाधन प्रबंधन कार्यालय के आंकड़ों के मुताबिक, 2 जुलाई 2026 को पूरे जिले में बादलों ने जमकर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। आंकड़ों पर नजर डालें तो सर्वाधिक 71 मिमी बारिश चन्नौड़ी में रिकॉर्ड की गई। इसके अलावा सोहागपुर में 59 मिमी, जैतपुर में 57 मिमी, ब्यौहारी में 38 मिमी, बुढार में 32 मिमी, गोहपारू में 29 मिमी और जयसिंहनगर में 3 मिमी बारिश दर्ज हुई। इस तरह चालू सीजन में अब तक कुल 114.7 मिमी औसत बारिश हो चुकी है, जो कि पिछले साल की इसी अवधि (182 मिमी) से फिलहाल कम है। इस मूसलाधार बारिश ने महीनों से सूखे खेतों की प्यास बुझा दी है। ग्रामीण अंचलों में मानो त्योहार जैसा माहौल है। मिट्टी में जरूरी नमी आते ही किसान पूरे दमखम के साथ धान और खरीफ की अन्य फसलों की बुवाई में जुट गए हैं।एक तरफ ग्रामीण इलाकों में खुशहाली है, तो दूसरी तरफ शहरी इलाकों में नगर पालिका की लापरवाही का गंदा पानी उबल रहा है। तेज बारिश शुरू होते ही शहर के तमाम निचले इलाके जलमग्न हो गए। सडक़ें तालाब में तब्दील हो गईं और नालियों का कचरा सडक़ों पर तैरने लगा। हद तो तब हो गई जब बारिश की पहली बूंद गिरते ही बिजली विभाग ने सरेंडर कर दिया। घंटों रही बिजली गुल ने लोगों को उमस और अंधेरे में तड़पने पर मजबूर कर दिया। सुहाने मौसम के बीच आधी आबादी जलभराव और बिजली संकट से त्राहि-त्राहि कर उठी।

भालू ने किसान को उतारा मौत के घाट

नदी किनारे खूनी संघर्ष में किसान ने तोड़ा दम

शहडोल। जिले के गोहपारू थाना क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है, जहां वन्यजीवों की बढ़ती धमक और प्रशासनिक उदासीनता की कीमत एक निर्दोष किसान को अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। गोहपारू के महरोई गांव में अपनी गुमशुदा भैंस को ढूंढने निकले एक सीधे-साधे किसान का सामना सोन नदी के किनारे मौत के रूप में खड़े खूंखार भालू से हो गया। शाम के धुंधलके में काले रंग के भालू को अपनी भैंस समझने की एक जरा सी चूक किसान की जिंदगी पर भारी पड़ गई। भालू और किसान के बीच काफी देर तक जिंदगी और मौत का खूनी तांडव चला, लेकिन अंततः जंगली जानवर की वहशी ताकत के आगे लाचार किसान जंग हार गया।

मिली जानकारी के अनुसार, खनौधी वन परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले महरोई गांव का निवासी 45 वर्षीय सोनसाय गोंड अपनी उस पालतू भैंस को लेकर बेहद चिंतित था, जो पिछले दो दिनों से लापता थी। आजीविका के एकमात्र सहारे को तलाशने के लिए सोनसाय हाथ में महज एक लाठी लेकर जंगल की तरफ निकला था। ढूंढते-ढूंढते वह सोन नदी के तट पर जा पहुंचा। देर शाम जब अंधेरा पैर पसार रहा था, तभी सोनसाय को दूर एक भारी-भरकम काला साया दिखाई दिया। कम रोशनी के कारण किसान को लगा कि उसकी खोई हुई भैंस मिल गई है। वह खुशी-खुशी उसके करीब जा पहुँचा, लेकिन पास जाते ही उसके होश उड़ गए—सामने यमराज की तरह एक हिंसक भालू खड़ा था। भालू ने देखते ही सीधे सोनसाय पर प्राणघातक हमला बोल दिया। खुद को घिरता देख किसान ने भी अदम्य साहस दिखाते हुए लाठी से पलटवार किया। दोनों के बीच नदी किनारे काफी देर तक आर-पार की लड़ाई चलती रही। लेकिन लाठी की मार भालू के खूंखार इरादों को डिगा न सकी। भालू ने किसान के सिर और चेहरे को अपने नुकीले पंजों से बुरी तरह नोच डाला। अत्यधिक खून बह जाने के कारण लहूलुहान किसान ने मौके पर ही तड़प-तड़प कर दम तोड़ दिया।

घटना की खबर मिलते ही समूचे इलाके में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों के भारी आक्रोश के बीच गोहपारू पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। इस हृदयविदारक घटना के बाद से महरोई सहित आस-पास के गांवों में मातम पसरा हुआ है, वहीं वन परिक्षेत्र में भालू की मौजूदगी से ग्रामीणों में भारी दहशत और वन अमले के खिलाफ गुस्सा है।

खबर संक्षेप

जिले में बीते 24 घंटे में 37.6 मिमी वर्षा दर्ज

उमरिया। अधीक्षक भू अभिलेख ने बताया कि बीते 24 घंटे में 37.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। बांधवगढ़ तहसील में 39 मिमी, मानपुर तहसील में 31.5 मिमी, पाली तहसील में 30.6 मिमी, नौरोजाबाद तहसील 34.2 मिमी, चंदिया तहसील में 36.2 मिमी, करकेली तहसील में 39.8 मिमी, बिलासपुर तहसील में 52.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। जिले में 1 जून से लेकर 3 जुलाई तक बांधवगढ़ तहसील में 135.6 मिमी, मानपुर तहसील में 65.4 मिमी, पाली तहसील में 134.4 मिमी, नौरोजाबाद तहसील 130.2 मिमी, चंदिया तहसील में 82.5 मिमी, करकेली तहसील में 147.7 मिमी, बिलासपुर तहसील में 95 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। जबकि गत वर्ष इसी दिनांक तक बांधवगढ़ तहसील में 222.8 मिमी, मानपुर तहसील में 215.4 मिमी, पाली तहसील में 140.4 मिमी, नौरोजाबाद तहसील 147.4 मिमी, चंदिया तहसील में 252.8 मिमी, करकेली तहसील में 186 मिमी, बिलासपुर तहसील में 321.4 मिमी वर्षा दर्ज की गई

नीट घोटाले से लेकर किसानों की बदहाली तक, हर मोर्चे पर नाकाम सरकार: कांग्रेस

उमरिया। केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों, भ्रष्टाचार और प्रशासनिक नाकामी के खिलाफ जिला कांग्रेस कमेटी ने आर-पार की लड़ाई का बिगुल फूंक दिया है। पुराने बस स्टैंड स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय में आयोजित एक तूफानी प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष इंजी. विजय कोल ने सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने नीट परीक्षा घोटाला, राम मंदिर दान राशि में कथित हेरफेर, भूमि अनियमितता और खाद-बीज के गंभीर संकट पर तीखे बाण चलाते हुए सरकार को पूरी तरह कटघरे में खड़ा कर दिया।

लाखों छात्रों के भविष्य से खिलवाड

प्रेस वार्ता में नीट परीक्षा में हुई धांधली को लेकर जिला अध्यक्ष विजय कोल ने गरजते हुए कहा कि शिक्षा व्यवस्था में बैठे भ्रष्टाचार के मगरमच्छों ने देशभर के लाखों होनहार छात्रों के भविष्य को अंधकार में धकेल दिया है। पेपर लीक और धांधली से हताश होकर देश के कई हिस्सों में छात्रों ने आत्महत्या जैसा आत्मघाती कदम उठाया है। कांग्रेस ने सीधा और तीखा सवाल दागा इन मासूमों की मौत का असल गुनहगार कौन है? क्या सरकार अपनी नाकामी स्वीकार करेगी। महज़ लीपापोती से काम नहीं चलेगा, दोषियों को जेल की सलाखों के पीछे भेजना ही होगा।

राम मंदिर दान राशि और जमीन की हो उच्चस्तरीय जांच

कांग्रेस ने धार्मिक आस्था और भ्रष्टाचार के गठजोड़ पर भी कड़ा प्रहार किया। अयोध्या राम मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए गए दान की राशि में कथित चोरी और हेरफेर के मामले को उठाते हुए विजय कोल ने कहा कि भगवान के घर में ऐसा कृत्य अक्षम्य है। इसकी तुरंत एक स्वतंत्र और उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए। यहीं नहीं, उन्होंने सीधे प्रदेश के मुखिया डॉ. मोहन यादव को घेरते हुए आरोप लगाया कि सिंहस्थ और मेला क्षेत्र से जुड़ी जमीनों की खरीद-फरोख्त में बड़े पैमाने पर भू-माफियाओं को फायदा पहुंचाया गया है। इस महाघोटाले की परतें खुलना बेहद जरूरी हैं।

अन्नदाता लाचार, खाद-बीज की कालाबाजारी

स्थानीय और ग्रामीण मुद्दों पर सरकार को घेरते हुए कांग्रेस ने कहा कि खुद को कृषि प्रधान कहने वाले मध्य प्रदेश में आज अन्नदाता दाने-दाने और खाद की एक-एक बोरी के लिए तरस रहा है। जिले का किसान सोसायटियों और सरकारी दफ्तरों के चक्कर काट-काटकर लहूलुहान हो रहा है। विजय कोल ने व्यवस्था की पोल खोलते हुए कहा हाथ में सरकारी कूपन होने के बावजूद किसानों को सोसायटियों से खाली हाथ लौटाया जा रहा है। खाद और बीज की भारी किल्लत दिखाकर खुले बाजार में निर्धारित दर से दोगुनी कीमतों पर कालाबाजारी हो रही है। प्रशासन और कृषि विभाग कुंभकर्णी नींद सोया है और बिचौलिए चांदी काट रहे हैं।

जनता की अदालत में जाएंगे: कांग्रेस

जिला कांग्रेस अध्यक्ष ने दो टूक चेतावनी देते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी इन घोटालों और किसानों के आंसू व्यर्थ नहीं जाने देगी। इस लड़ाई को सडक़ से लेकर सदन तक लड़ा जाएगा और भाजपा के इस कुशासन का पर्दाफाश करने के लिए कांग्रेस का एक-एक कार्यकर्ता जन-जन के बीच जाएगा। इस प्रेस वार्ता में जिला अध्यक्ष इंजी. विजय कोल के साथ संगठन महासचिव पुष्पराज सिंह, पिछड़ा वर्ग कांग्रेस के अध्यक्ष मिथिलेश राय और जिला कांग्रेस निर्वाचन प्रभारी एडवोकेट शिशुपाल यादव मुख्य रूप से मौजूद रहे और सरकार के खिलाफ हुंकार भरी।

किसानों को बीजों का किया गया वितरण

उमरिया। उप संचालक कृषि संग्राम सिंह मरावी ने बताया कि आत्मा परियोजना अंतर्गत नवाचार कार्यक्रम के तहत जिला उमरिया के मानपुर विकासखंड के बड़ार, बड़ारी एवं रक्सा ग्रामों में किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों से जोडऩे के उद्देश्य से अमरु एवं अरंडी के बीजों का वितरण किया गया। इस अवसर पर कुल 33 किसानों को गुणवत्तायुक्त बीज उपलब्ध कराए गए, ताकि वे खरीफ मौसम में इन फसलों का वैज्ञानिक तरीके से उत्पादन कर सकें। कार्यक्रम के दौरान कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को कतार पद्धति से बुवाई करने की सलाह दी, जिससे पौधों का समुचित विकास हो तथा उत्पादन एवं गुणवत्ता में वृद्धि हो सके। साथ ही किसानों को धान की डायरेक्ट सीडेड राइस पद्धति की जानकारी देते हुए इसके लाभ, लागत में कमी एवं जल संरक्षण के महत्व के बारे में विस्तार से बताया गया। किसानों को ई-टोकन प्रणाली के माध्यम से खाद वितरण व्यवस्था की जानकारी भी दी गई, जिससे उन्हें समय पर उर्वरक उपलब्ध हो सके। इसके अतिरिक्त खरीफ फसलों के उन्नत प्रबंधन, संतुलित उर्वरक उपयोग, कीट एवं रोग नियंत्रण तथा विभाग द्वारा संचालित विभिन्न कृषि योजनाओं एवं सुविधाओं की भी जानकारी प्रदान की गई। किसानों ने कार्यक्रम में रुचि दिखाते हुए वैज्ञानिक खेती अपनाने और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करने का संकल्प लिया।

ज्ञान एवं चरित्र के संगम पर सफलता के दर्शन संभव है: राखी सहाय

आदर्श कॉलेज में नवप्रवेशित छात्रों के लिए दीक्षारंभ कार्यक्रम संपन्न

उमरिया। शासकीय आदर्श महाविद्यालय उमरिया में उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार तीन दिवसीय दीक्षारंभ एवं मानसिक संवर्धन कार्यक्रम का आयोजन 1 जुलाई से 3 जुलाई तक किया गया। छात्र-छात्राओं को महाविद्यालय की जानकारी के अंतर्गत संचालित गतिविधियों विभिन्न प्रकार की हितग्राही मूलक योजनाएं खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की जानकारी के साथ मानसिक दक्षता संवर्धन कार्यक्रम के अंतर्गत मानसिक स्वास्थ्य एवं तनाव प्रबंधन के लिए कार्यक्रमों का आयोजन महाविद्यालय प्राचार्य डॉ नियाज अहमद अंसारी की अध्यक्षता, प्रवेश प्रभारी डॉ विजय डाबर के संयोजन एवं डॉ राजीव तिवारी के संचालन में किया गया।

अंतिम दिवस समापन अवसर पर कलेक्टर राखी सहाय ने बताया कि ज्ञान एवं चरित्र के संगम पर सफलता के दर्शन संभव होते है। अतः शिक्षक एवं छात्र विभिन्न कौशल सीखते रहे । उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया का उपयोग ज्ञानवर्धक चीजों को सीखने के लिए करें । शिक्षा के साथ साथ

खेल, योगा पर भी ध्यान दें । महाविद्यालय में अनुशासन में रहकर शिक्षा ग्रहण करें । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एसडीएम बांधवगढ़ ने कहा कि यह एक ऐसा पड़ाव है जहां से छात्र अपने जीवन को प्रारंभ करते है। छात्रों के लिए महाविद्यालय एक ऐसा प्लेट फार्म है , जो सभी प्रकार के ज्ञान प्राप्त होते है। उन्होंने कहा कि बच्चे देश के भविष्य है , इसलिए आवश्यक है कि यहां से अच्छी शिक्षण ग्रहण कर देश, प्रदेश एवं समाज का नाम रोशन करें। कायक्रम में आदर्श महाविद्यालय के प्राचार्य डा नियाज अंसारी ने दीक्षारंभ की विस्तृत रूप रेखा प्रस्तुत की। शाखा प्रबंधक उमरिया सर्वजीत कुमार सिंह व्दारा छात्र छात्राओं को कौशल विकास , करियर के अवसर, वित्तीय साक्षरता के साथ ही मोबाइल पर आने वाले लिंक से सावधान रहने की बात कही। कार्यक्रम के अंत में प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने वाली छात्रा वंदना साहू, साक्षी मिश्रा, रामा विश्वकर्मा, सुषमा सिंह तथा पलक मिश्रा को सम्मानित किया गया। कार्यक्रमों का आयोजन व्यक्तित्व विकास प्रकोष्ठ , राष्ट्रीय सेवा योजना,भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ एवं क्रीड़ा विभाग के संयुक्त आयोजन में किया जा रहा है । महावियालय का परिचय डॉ परमेश्वर सिंह मरावी , राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी रेम सिंह हितग्राही मूलक योजनाओं को शिव हल्दकार एवं विषय पाठ्यक्रम की जानकारी डॉ नवीन उपाध्याय द्वारा प्रदान की गई। कार्यक्रमों के आयोजन में हार्टफुलनेस प्रशिक्षक सुश्री प्रणाली पीसे एवं मानसिक स्वास्थ्य प्रशिक्षक एवं महाविद्यालय के समस्त शिक्षक अधिकारी कर्मचारी की उपस्थिति रही।

12 सितंबर को नेशनल लोक अदालत का आयोजन

उमरिया। न्यायाधीश, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने बताया कि नेशनल लोक अदालत का आयोजन 12 सितंबर को किया जाएगा। नेशनल लोक अदालत में न्यायिक प्रकरण आपराधिक, सिविल, श्रम, मोटरयान दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावा प्रकरण, कुटुम्ब न्यायालय के लंबित, प्रलिटिगेशन के समझौता योग्य प्रिलिटिगेशन के रूप में सभी बैंको के प्रकरण , नगर पालिका समकेतिक कर एवं जलकर एवं विद्युत प्रकरणों का निराकरण भी किया जाएगा।प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश उमरिया ने अधिवक्ताओं एवं जन मानस से अपील की है कि नेशनल लोक अदालत में ज्यादा से ज्यादा आपसी सुलह समझौता के माध्यम से 12 सितंबर को निपटारा कराए एवं नेशनल लोक अदालत का फायदा उठाएं।

धार्मिक स्थलों से दिया साइबर सुरक्षा का संदेश

रामनगर पुलिस ने चलाया 'सेफ क्लिक 2.0' अभियान

राजनगर। साइबर अपराधों के लगातार बढ़ते मामलों को देखते हुए अनूपपुर पुलिस द्वारा जिले में जनजागरूकता अभियान तेज कर दिया गया है। पुलिस मुख्यालय एवं गृह मंत्रालय के निर्देशानुसार संचालित ऑपरेशन सेफ क्लिक 2.0 के तहत शुक्रवार को थाना रामनगर पुलिस ने विभिन्न धार्मिक स्थलों पर पहुंचकर लोगों को साइबर ठगी से बचाव के उपाय बताए और सतर्क रहने का संदेश दिया। पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब के मार्गदर्शन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगनाथ मरकाम तथा एसडीओपी कोतमा आरती शाक्य के निर्देशन में थाना रामनगर पुलिस की टीम ने काली मंदिर राजनगर, सीएमपीडीआई स्थित शिव मंदिर तथा जुमे की नमाज के दौरान सीआरओ मस्जिद राजनगर में विशेष साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने लोगों को बताया कि साइबर ठग फर्जी फोन कॉल, ओटीपी मांगने, केवाईसी अपडेट कराने, बैंक अधिकारी बनकर संपर्क करने, डिजिटल अरेस्ट, निवेश के नाम पर ठगी, सोशल मीडिया अकाउंट हैकिंग, ऑनलाइन शॉपिंग और यूपीआई फ्रॉड जैसे हथकंडों से लोगों को निशाना बना रहे हैं। नागरिकों को समझाइश दी गई कि वे किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ बैंक खाता, ओटीपी, सीवीवी, यूपीआई पिन या पासवर्ड जैसी गोपनीय जानकारी साझा न करें। पुलिस ने लोगों को यह भी बताया कि यदि वे किसी साइबर अपराध का शिकार होते हैं तो बिना समय गंवाए राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर कॉल करें और पोर्टल पर तत्काल शिकायत दर्ज कराएं। अभियान के अंत में उपस्थित लोगों से अपील की गई कि वे स्वयं सतर्क रहें और अपने परिवार, मित्रों तथा आसपास के लोगों को भी साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करें, ताकि साइबर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

16 स्थायी वारंटियों पर कोतमा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, अभियान चलाकर किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज कोतमा। अनूपपुर जिले में फरार वारंटियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कोतमा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब के निर्देश एवं एसडीओपी कोतमा आरती शाक्य के निर्देशन में चलाए गए स्थायी वारंट तामीली अभियान के दौरान कोतमा पुलिस ने 16 स्थायी वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया।

पुलिस के अनुसार अभियान के दौरान न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी न्यायालय कोतमा द्वारा विभिन्न

आपराधिक प्रकरणों में जारी स्थायी गिरफ्तारी वारंटों की तामील करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इनमें एनआई एक्ट, आईटी एक्ट, आबकारी अधिनियम, जुआ एक्ट, आर्म्स एक्ट सहित मारपीट एवं अन्य मामलों के आरोपी शामिल हैं। लंबे समय से फरार चल रहे इन वारंटियों के विरुद्ध न्यायालय के आदेश पर कार्रवाई की गई। पुलिस ने सभी 16 वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां नियमानुसार आगे की कार्रवाई की गई। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जिले में अपराध नियंत्रण और न्यायालय से जारी वारंटों की प्रभावी तामील के लिए यह अभियान लगातार जारी रहेगा तथा फरार आरोपियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी रत्नाम्बर शुक्ल के नेतृत्व में पुलिस टीम के उपनिरीक्षक गोविंद प्रजापति, कपिल उइके, सुरेंद्र सिंह, संतोष यादव, राकेश सिंह, धर्मेंद्र जाटव, अभय त्रिपाठी एवं विकास अहिरवार सहित अन्य पुलिसकर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

डॉ. चित्रा सोनवानी पर लगे आरोपों की फाइल आखिर क्यों खा रही धूल?

408 छात्राओं के कथित शोषण और लाखों के गबन की शिकायत पर तीन महीने से क्यों पसारा सन्नाटा

मामला प्रभारी प्राचार्य शासकीय कन्या शिक्षा परिसर पुष्पराजगढ़ का

राजेन्द्रग्राम। शहडोल संभाग में सरकारी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। 408 छात्राओं के कथित शोषण, एसएमडीसी खाते से राशि के कथित गबन और फर्जी भुगतान के आरोपों वाली शिकायत पर संभागायुक्त द्वारा जांच के निर्देश जारी किए जाने के बावजूद आज तक न जांच की स्थिति स्पष्ट हुई और न शिकायतकर्ता को किसी कार्यवाही की जानकारी दी गई है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर जांच ठंडे बस्ते में क्यों डाल दी गई और क्या भ्रष्टाचार को दबाने का प्रयास हो रहा है? जिले के शासकीय कन्या शिक्षा परिसर पुष्पराजगढ़ की प्रभारी प्राचार्य डॉ. चित्रा सोनवानी के खिलाफ पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष मीना पड़वार द्वारा गंभीर आरोप लगाते हुए विस्तृत शिकायत प्रस्तुत की गई थी। शिकायत में 408 छात्राओं के साथ कथित आर्थिक शोषण, एसएमडीसी खाते से लाखों रुपये के कथित गबन, फर्जी चेकों के माध्यम से भुगतान और वित्तीय अनियमितताओं का उल्लेख किया गया रहा है। शिकायत के साथ दस्तावेज भी संलग्न किए गए थे। इसके बाद 25 मार्च को संभागायुक्त कार्यालय ने जिला कोषालय अधिकारी को अभिलेखीय आधार पर जांच कर 15 दिनों में स्पष्ट प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश जारी किए गए रहे है लेकिन महीनों बाद भी न जांच रिपोर्ट सार्वजनिक हुई, न किसी जिम्मेदार अधिकारी पर कार्यवाही हुई और न ही शिकायतकर्ता को जांच की प्रगति से अवगत कराया गया है। इससे प्रशासन की पारदर्शिता और जवाबदेही पर गंभीर प्रश्न खड़े हो रहे हैं। यदि आरोप निराधार थे तो उन्हें खारिज क्यों नहीं किया गया और यदि प्रथम दृष्टया गंभीर थे तो कार्यवाही क्यों नहीं हुई है?

संभागायुक्त ने दिए थे जांच के स्पष्ट आदेश

उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार संभागायुक्त कार्यालय ने शिकायत को गंभीर मानते हुए संबंधित अधिकारी से 15 दिनों के भीतर जांच प्रतिवेदन मांगा था। इसके बावजूद महीनों बीत जाने के बाद भी न जांच रिपोर्ट सामने आई और न किसी कार्यवाही की आधिकारिक जानकारी उपलब्ध कराई गई है। सवाल यह है कि क्या आदेशों का पालन नहीं हुआ या फिर जांच रिपोर्ट को जानबूझकर सार्वजनिक नहीं किया गया है?

शिकायतकर्ता अब तक अनजान

लोकतांत्रिक व्यवस्था में शिकायतकर्ता को जांच की स्थिति और परिणाम से अवगत कराना प्रशासनिक पारदर्शिता का हिस्सा माना जाता है। लेकिन इस मामले में शिकायतकर्ता का कहना है कि उन्हें आज तक किसी जांच, प्रतिवेदन या कार्यवाही की जानकारी नहीं दी गई है। यदि जांच पूरी हो चुकी है तो उसे सार्वजनिक क्यों नहीं किया गया है? चर्चा है कि कहीं जांच के बाद आरोपी को बचाने के लिए कार्यवाही सुनिश्चित नहीं हो पा रही है। जो प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर बड़ा प्रश्न चिन्ह खड़ा कर रहा है।

408 छात्राओं के नाम पर लगे गंभीर आरोप

शिकायत में छात्राओं के हितों से जुड़े गंभीर आर्थिक आरोप लगाए गए हैं। यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो यह केवल वित्तीय अनियमितता नहीं बल्कि छात्राओं के अधिकारों से जुड़ा गंभीर मामला होगा। वहीं यदि आरोप गलत हैं तो संबंधित अधिकारी को स्पष्ट रूप से क्लीन चिट देकर पूरे विवाद का पटाक्षेप किया जाना चाहिए। मौजूदा चुप्पी केवल संदेह और अविश्वास को बढ़ा रही है।

क्या भ्रष्टाचार को दबाने की हो रही कोशिश?

जांच आदेश जारी होने के बाद भी लंबे समय तक कार्यवाही का अभाव कई सवाल खड़े करता है। क्या जिम्मेदार अधिकारी जांच में लापरवाही बरत रहे हैं? क्या प्रभावशाली लोगों के दबाव में मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है? या फिर प्रशासनिक उदासीनता इसकी वजह है? इन सवालों का जवाब संबंधित विभाग और जिला प्रशासन को सार्वजनिक रूप से देना चाहिए ताकि लोगों का विश्वास बना रहे।

अब जनता को चाहिए जवाब

यह मामला केवल एक शिकायत तक सीमित नहीं है बल्कि प्रशासनिक जवाबदेही की भी परीक्षा है। यदि जांच हुई है तो रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए, यदि कार्यवाही हुई है तो उसकी जानकारी दी जाए और यदि जांच लंबित है तो देरी का कारण बताया जाए। पारदर्शिता ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है। अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि प्रशासन इस मामले में कब और क्या कदम उठाता है।

इनका कहना है

मै अभी कुछ दिन पहले ही आया हूं इस मामले की जांच रिपोर्ट कार्यालय संभागायुक्त को भेजी जा चुकी है।
संतोष करचम
जिला कोषालय अधिकारी अनूपपुर

दाल मिल में लगी आग से लाखों के नुकसान की आशंका

कटनी। माधवनगर थाना क्षेत्र में संचालित दाल मिल में गत दोपहर अचानक आग भड़क उठी, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही मिनटों में फैक्ट्री का बड़ा हिस्सा इसकी चपेट में आ गया। परिसर में रखा कच्चा माल, तैयार दाल और अन्य सामान जलने से भारी आर्थिक नुकसान की आशंका जताई जा रही है। सूचना मिलते ही माधवनगर थाना पुलिस और नगर निगम की फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची। हालात की गंभीरता को देखते हुए एक के बाद एक कई दमकल वाहन बुलाए गए। करीब 10 फायर टेंडरों की मदद से आग बुझाने का अभियान लंबे समय तक चलता रहा ।दमकल दल की प्राथमिक कोशिश आग को फैक्ट्री के बाकी हिस्सों और आसपास की संपत्तियों तक फैलने से रोकना रही। मौके पर मौजूद टीमों ने लगातार पानी की बौछार कर स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। फिलहाल आग लगने की असली वजह सामने नहीं आई है, हालांकि शॉर्ट सर्किट समेत कई संभावित कारणों पर जांच की जा रही है। घटना की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण और आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए।

खबर संक्षेप

चोरी से चल रहे पंप बिजली विभाग नहीं कर रहा कार्रवाई

ब्यौहारी। विकासखंड व्यवहारी के अंतर्गत विद्युत वितरण केंद्र बाणसागर के ग्राम बुढ़वा के धरी नंबर 2 और सथनी में कई लोगों के मोटर आज 5 सालों से बिना किसी कनेक्शन के चल रहे इन लोगों के द्वारा बिना कनेक्शन लिये बिजली विभाग को चपत बैठाई जा रही है यदि विद्युत विभाग ईसकी जांच कराये तो इसका खुलासा हो सकता है सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार धरी नंबर 2 के छिपियान मोहल्ला के प्रदुमन द्विवेदी, तेजी लाल नामदेव, शिवकुमार नामदेव एवं आधा दर्जन लोग सालों से बीना कनेक्शन के मोटर चला रहे इसी तरह से सथनी में भी कई लोग बिना कनेक्शन के मोटर चला रहे हैं बाणसागर विद्युत विभाग में जानकारी दी गई लेकिन उनके द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई क्षेत्रवासियों ने कलेक्टर से विद्युत चोरी करने वालों की खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

दाल मिल में लगी आग से लाखों के नुकसान की आशंका

कटनी। माधवनगर थाना क्षेत्र में संचालित दाल मिल में गत दोपहर अचानक आग भड़क उठी, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही मिनटों में फैक्ट्री का बड़ा हिस्सा इसकी चपेट में आ गया। परिसर में रखा कच्चा माल, तैयार दाल और अन्य सामान जलने से भारी आर्थिक नुकसान की आशंका जताई जा रही है। सूचना मिलते ही माधवनगर थाना पुलिस और नगर निगम की फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची। हालात की गंभीरता को देखते हुए एक के बाद एक कई दमकल वाहन बुलाए गए। करीब 10 फायर टेंडरों की मदद से आग बुझाने का अभियान लंबे समय तक चलता रहा ।दमकल दल की प्राथमिक कोशिश आग को फैक्ट्री के बाकी हिस्सों और आसपास की संपत्तियों तक फैलने से रोकना रही। मौके पर मौजूद टीमों ने लगातार पानी की बौछार कर स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। फिलहाल आग लगने की असली वजह सामने नहीं आई है, हालांकि शॉर्ट सर्किट समेत कई संभावित कारणों पर जांच की जा रही है। घटना की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण और आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए। भीड़ को नियंत्रित करने और सुरक्षा बनाए रखने के लिए पुलिस ने क्षेत्र में घेराबंदी कर लोगों को दूर रखा। प्रशासन अब फैक्ट्री प्रबंधन के साथ मिलकर कुल नुकसान का आकलन करेगा।

बुजुर्ग के खाते से जालसाजों ने पार किये 1.58 लाख रूपये

कटनी। माधवनगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी निवासी एक वृद्ध को अज्ञात शातिर ठग ने जालसाजी का शिकार बनाते हुए उनके खाते से बड़ी रकम साफ कर दी। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी निवासी पीड़ित अशोक विश्वकर्मा 63 वर्ष के बैंक खाते से किसी अज्ञात व्यक्ति ने धोखाधड़ी करते हुए कुल 1,58,999 रुपये निकाल लिए। खाते से इतनी बड़ी रकम कटने का पता चलते ही पीड़ित के होश उड़ गए, जिसके बाद उन्होंने तुरंत थाने पहुंचकर मामले की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने पीड़ित अशोक विश्वकर्मा की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया है।

नायब तहसीलदार और 4 पटवारियों का तबादला

सिलौंडी। सिलौंडी में पदस्थ नायब तहसीलदार खगेश भलावी और 4 पटवारियों से अन्य स्थान तबादला होने के बाद पटवारियों और नायब तहसीलदार भवन के बाबू ने उनको विदाई दी। नायब तहसीलदार खगेश भलावी सरल सहज स्वभाव के थे जो कि सिलौंडी में ही रहकर अपनी ड्यूटी कर रहे थे। अधिकांश वह सिलौंडी में निवास से कार्यालय पैदल ही आना जाना करते थे । पटवारी विश्वनाथ बागरी,उमेश निखारे, जॉय चक्रवर्ती, संगीता परस्ते का तबादला अन्य स्थान होने के कारण साथी पटवारी संघ के कार्यकारी जिला अध्यक्ष अशोक सिंह बागरी , राजस्व निरीक्षक नीरज झरिया ,अंगद बाबू ,रंजित ,समय कर्मचारियों सहित भव्य विदाई का आयोजन किया।

आगामी कार्यक्रमों और बूथ मजबूती पर हुई चर्चा
भाजपा शक्ति केंद्र की बैठक संपन्न

बुढार। भारतीय जनता पार्टी की संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने और बूथ स्तर पर पकड़ मजबूत करने के उद्देश्य से नगर बुढ़ार के एक शक्ति केंद्र की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। यह बैठक शक्ति केंद्र प्रभारी पुष्पेंद्र ताम्रकार के निवास स्थान पर आयोजित की गई, जिसमें पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों और स्थानीय कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया।

वरिष्ठ नेताओं की रही गरिमामयी उपस्थिति

बैठक में मुख्य रूप से भाजपा जिलाध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा उपस्थित रहीं। उनके साथ पूर्व विधायक श्रीमती प्रमिला सिंह, प्रदेश महिला मोर्चा उपाध्यक्ष व नगर परिषद बुढार की अध्यक्ष श्रीमती शालनी सरावगी, जिला उपाध्यक्ष दौलत मनमानी, जिला मंत्री सौरव गोले, पूर्व जिला महामंत्री कैलाश विशनानी और बुढार मंडल अध्यक्ष अर्जुन सोनी विशेष रूप से शामिल हुए। नेताओं ने कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करते हुए संगठन की रीति-नीति से अवगत कराया।

बूथ अध्यक्ष और कार्यकर्ताओं ने बनाई रणनीति: बैठक के दौरान शक्ति केंद्र के अंतर्गत आने वाले बूथों की समीक्षा की गई। इसमें बूथ अध्यक्ष सुनील गुप्ता, आनंद बारी, विकास गुप्ता और अभिलाष ताम्रकार ने अपने-अपने बूथों की गतिविधियों की जानकारी साझा की।बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित अन्य गणमान्य नागरिक व कार्यकर्ता: अशोक सराफ, नीलेन्द्र द्विवेदी, दातू मल विशनानी, नमन ताम्रकार, सुधीर गुप्ता, शिव,आदित्य पाण्डे, सूरज गुप्ता और नीरज ताम्रकार।

महिला विंग की भी रही मजबूत भागीदारी

संगठन के इस कार्यक्रम में महिला कार्यकर्ताओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बैठक में पार्षद श्रीमती सुमित्रा नामदेव, श्रीमती साधना ताम्रकार, श्रीमती शशि ताम्रकार, श्रीमती सरिता ताम्रकार और श्रीमती शिप्रा ताम्रकार सहित अन्य स्थानीय मातृशक्ति एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बैठक के अंत में सभी उपस्थित पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि वे शासकीय योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने और संगठन को और अधिक सक्रिय बनाने के लिए निरंतर कार्य करेंगे।

भू-माफिया और हलका पटवारी का खुला गठजोड़ उजागर

शहडोल। सरकारी तंत्र में बैठे कुछ भ्रष्ट कारिंदे किस कदर अदालती आदेशों और कानून का मखौल उड़ाते हैं, सोहागपुर तहसील के ग्राम पिपरिया में म.प्र. शासन की बेशकीमती आराजी खसरा नंबर 636 (रकबा 0.219 हेक्टेयर) के एक हिस्से पर अवैध कब्जा जमाने वाले अतिक्रमणकारी अशोक चौधरी को बचाने के लिए खुद हलका पटवारी अर्जुन पटेल ने ढाल बनकर खड़े होने का दुस्साहस किया है। खबर है कि तहसीलदार सोहागपुर के न्यायालय द्वारा म.प्र. भू-राजस्व संहिता की धारा 248 के तहत अतिक्रमणकारी को दोषी सिद्ध करते हुए गत 17 फरवरी 2026 को ही बेदखली और अर्थदंड का कड़ा आदेश जारी किया गया था। आदेश का पालन न होने पर दोबारा शिकायत हुई, जिस पर कड़ा रुख अपनाते हुए तहसीलदार ने 15 जून 2026 को बकायदा राजस्व निरीक्षक और चार पटवारियों जीवेंद्र सिंह परिहार, नरेंद्र सिंह, विपुल सिंह और स्वयं अर्जुन पटेल की एक संयुक्त टीम गठित कर 19 जून को सुबह 9 बजे कार्रवाई तय की थी, लेकिन यहीं से भ्रष्टाचार का असली खेल शुरू हुआ।शिकायतकर्ता आनंद राम महरा निवासी वार्ड नंबर 17, सोहागपुर ने अनुविभागीय अधिकारी को सौंपे अपने शिकायती पत्र में सीधे तौर पर हलका पटवारी अर्जुन पटेल पर आरोप लगाए हैं। पत्र में साफ कहा गया है कि बेदखली की कार्रवाई करने की बजाय पटवारी अर्जुन पटेल ने अतिक्रमणकारियों से सांठ-गांठ (सेटिंग) कर ली। पटवारी ने न सिर्फ उन्हें कार्रवाई न होने का अभयदान दिया, बल्कि शह देकर उस अवैध मकान पर तत्काल शीट डलवा दी और बिजली विभाग से सांठ-गांठ कर विद्युत कनेक्शन भी चालू करवा दिया। तहसीलदार के आदेश को सरेआम ठेंगा दिखाकर पटवारी ने शासकीय भूमि की सौदेबाजी कर मोटी रकम डकार ली।शिकायत में यह भी खुलासा हुआ है कि पटवारी अर्जुन पटेल पूर्व में तहसील सोहागपुर में ए.जी.एम. के पद पर करीब 7 साल तक जमे रहे, जिसके कारण क्षेत्र के भू-माफियाओं और रसूखदारों से उनके संबंध बेहद गहरे हैं। परिवीक्षा अवधि के भीतर ही पटवारी द्वारा अपने कर्तव्यों का ऐसा सरेआम उल्लंघन और उच्च अधिकारियों के आदेशों की अवहेलना करना प्रशासनिक साख पर बड़ा धब्बा है। पीड़ित पक्ष ने एसडीएम से मांग की है कि ऐसे भ्रष्ट पटवारी को तत्काल पद से बर्खास्त किया जाए और तहसीलदार के बेदखली आदेश का अक्षरशः पालन कराते हुए शासकीय भूमि को तत्काल मुक्त कराया जाए।

दीक्षारंभ समारोह का आयोजन

बिरसिंहपुर पाली। बिरसिंहपुर पाली मप्र शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देश पर शासकीय महाविद्यालय बिरसिंहपुर पाली जिला उमरिया में दीक्षारंभ समारोह का आयोजन दिनांक 01/07/2026 से 03/07/2026 तक नवीन प्रवेशित विद्यार्थियों का तिलक लगाकर/पुष्पगुच्छ देकर स्वागत अभिनंदन किया गया है इस अवसर पर प्राचार्य श्री हरलाल अहिरवार ने सभी विद्यार्थियों को महाविद्यालय/उच्च शिक्षा विभाग की छात्र कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई है उपस्थित गणमान्य नागरिकों एवं विद्यार्थियों के अभिभावक पूर्व विद्यार्थी तथा डॉ गंगाधर dhoke, अनुभव श्रीवास्तव, अंकुश सोनी डॉ मंसूर अली, डॉ जेपीएस चौहान, डॉ श्रीमति मनीषा अग्रवाल, डॉ श्रीमति रितु सेन, डॉ त्रिभुवन गिरी, श्री बालेंद्र यादव एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे हैं

श्रद्धालुओं की सुरक्षा से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं: सिल्लू

शहडोल। आस्था के सबसे बड़े समागम भगवान श्री जगन्नाथ रथ यात्रा की तारीखें नजदीक आ चुकी हैं, लेकिन नगर पालिका प्रशासन अब भी गहरी नींद में सोया हुआ है। जिस मार्ग से भगवान जगन्नाथ का रथ गुजरना है और जहाँ हजारों की तादाद में श्रद्धालु उमडऩे वाले हैं, वह सडक़ें गड्ढों और बदहाली के आंसू रो रही हैं। नपा की इसी घोर लापरवाही और कुंभकर्णी नींद को तोडऩे के लिए वार्ड क्रमांक 19 के जुझारू पार्षद सिल्लू रजक ने मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) को एक सख्त शिकायती ज्ञापन सौंपकर रथ यात्रा मार्ग की सडक़ों को तत्काल दुरुस्त करने का अल्टीमेटम दिया है।पार्षद सिल्लू रजक ने दोटूक शब्दों में कहा कि हर साल आयोजित होने वाली इस भव्य रथ यात्रा में बूढ़े, बच्चे, महिलाएं और हजारों श्रद्धालु नंगे पैर भगवान के रथ के

साथ चलते हैं। लेकिन नगर पालिका की अनदेखी के कारण पूरे यात्रा मार्ग पर जानलेवा गड्ढे मुंह बाए खड़े हैं। ये क्षतिग्रस्त सडक़ें किसी भी वक्त बड़े हादसे को न्यौता दे सकती हैं। ज्ञापन के जरिए मांग की गई है कि नगर पालिका का अमला दफ्तर के बंद कमरों से बाहर निकले और रथ यात्रा शुरू होने से पहले पूरे मार्ग का बारीकी से निरीक्षण करे। सडक़ों पर जहाँ-जहाँ गड्ढे हैं, वहां तत्काल युद्ध स्तर पर पैचवर्क (मरम्मत) का काम शुरू कराया जाए। पार्षद ने नपा प्रशासन को घेरते हुए कहा कि जब त्योहार की तारीखें पहले से तय होती हैं, तो हर बार ऐन वक्त पर ही नपा की नींद क्यों खुलती है? श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा नगर पालिका के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए, न कि महज एक कागजी औपचारिकता। अगर समय रहते सडक़ों की मरम्मत नहीं हुई और यात्रा के दौरान एक भी श्रद्धालु चोटिल हुआ, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी नगर पालिका प्रशासन की होगी। इस चेतावनी के बाद अब देखना यह है कि सीएमओ इस गंभीर जनहित के मुद्दे पर कितनी फुर्ती दिखाते हैं या फिर कागजी आश्वासनों का खेल जारी रहता है।

ई दक्ष केंद्र में पुलिस कर्मियों को दिया गया ई-ऑफिस प्रशिक्षण

शहडोल। ई-ऑफिस प्रणाली पर सुचारू रूप से कार्य करने के लिए पुलिस विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कलेक्ट्रेट कार्यालय के ई-दक्ष केंद्र में किया गया। यह विशेष ट्रेनिंग आईजी ऑफिस (शहडोल रेंज) के स्टाफ के लिए आयोजित की गई थी, जिसके तहत उन्हें डिजिटल कार्यप्रणाली से अवगत कराया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पुलिस विभाग के स्टाफ को ई-ऑफिस प्रणाली के प्रभावी उपयोग के लिए पूरी तरह प्रशिक्षित करना है, ताकि कार्यालयीन कार्यों में अधिक पारदर्शिता, कार्यकुशलता और समयबद्धता सुनिश्चित की जा सके। प्रशिक्षण के दौरान लीड ट्रेनर हरी कृष्ण सोनी द्वारा उपस्थित सभी प्रतिभागियों को डिजिटल फाइल संचालन, नोटशीट प्रबंधन, ऑनलाइन कार्यप्रणाली एवं फाइलों के डिजिटल मूवमेंट संबंधी व्यावहारिक व तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस दौरान स्टाफ की शंकाओं का समाधान भी किया गया ताकि दैनिक कार्यों में पेपरलेस व्यवस्था को तेजी से लागू किया जा सके।

निगमायुक्त ने कहा राहत कार्यों में लापरवाही बरतने पर होगी कार्यवाही

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

वर्षा काल के दौरान संभावित बाढ़ एवं जलभराव की स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने तथा नागरिकों को त्वरित राहत उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा बाढ़ नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम) स्थापित किया गया है। निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार द्वारा नियंत्रण कक्ष में अधिकारियों एवं कर्मचारियों की चार शिफ्टों में ड्यूटी निर्धारित करते हुए शिकायतों के त्वरित निराकरण एवं राहत कार्यों के प्रभावी समन्वय की व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए गए है।

निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जलभराव अथवा बाढ़ संबंधी शिकायत किसी भी माध्यम से प्राप्त होने पर उसे तत्काल शिकायत पंजी एवं कम्प्यूटर में दर्ज किया जाए तथा संबंधित अधिकारी को तुरंत अवगत कराया जाए। साथ ही शिकायत के निराकरण के उपरांत पालन प्रतिवेदन भी नियंत्रण कक्ष में प्रस्तुत किया जाए।

राहत कार्यों में नियुक्त दलों के प्रभारी, संबंधित स्वच्छता निरीक्षक एवं सफाई वार्ड दरोगाओं को निर्देशित किया गया है कि अपने-अपने प्रभार क्षेत्र में जलभराव की सूचना मिलते ही तत्काल मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई करें। साथ ही नागरिकों को वर्षा जल संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए भवनों एवं दुकानों में वर्षा जल संचयन अपनाने तथा छतों का पानी सीधे सड़कों पर प्रवाहित न होने देने के लिए डाउन पाइप लगाने हेतु प्रेरित करें।

मोबाइल चालू रखने एवं समन्वय बनाये रखने के निर्देश

निगमायुक्त ने बाढ़ नियंत्रण कक्ष एवं राहत कार्यों में नियुक्त सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने मोबाइल फोन चौबीसों घंटे चालू रखने, व्हाट्सएप ग्रुप पर प्राप्त निर्देशों का नियमित अवलोकन करने, उपस्थिति पंजी में हस्ताक्षर सुनिश्चित करने तथा आपसी समन्वय एवं अनुशासन के साथ कार्य करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सौंपे गए दायित्वों के निर्वहन में किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी अथवा कर्मचारी के विरुद्ध नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

न्यायालय ने सुनाया फैसला, अर्थदंड से भी किया गया दंडित

मासूम बालिकाओं के साथ अश्लील हरकतें करने वाले आरोपी को 5 साल का कारावास

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

विशेष न्यायालय (पॉक्सो एक्ट) ने दो नाबालिग बच्चियों के साथ अश्लील हरकत करने वाले 40 वर्षीय आरोपी धनीराम कुशवाहा पिता बुद्धा कुशवाहा 40 वर्ष को विभिन्न धाराओं के तहत दोषी करार देते हुए अधिकतम 5 वर्ष के सश्रम कारावास और अर्थदंड से दंडित किया है। शासन की ओर से इस संवेदनशील मामले में पैरवी विशेष लोक अभियोजक व सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी आशुतोष द्विवेदी द्वारा की गई। न्यायालय द्वारा पॉक्सो एक्ट की धारा 9(एम)/10 में 05-05 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 100-100 रुपये अर्थदंड, भारतीय न्याय संहिता धारा 76 व पॉक्सो एक्ट 7/8: 03-03 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 100-100 रुपये अर्थदंड, BNS की धारा 74, 75(1)(i): 01-01 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 100-100 रुपये अर्थदंड, BNS की धारा 137(2): 02-02 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 100-100 रुपये अर्थदंड से दंडित किया है।

मीडिया सेल प्रभारी सुरेंद्र कुमार गर्ग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, घटना बड़वारा थाना क्षेत्र की है। 26 अगस्त 2025 की सुबह बच्चियों के माता-पिता एक रिश्तेदारी में गए हुए थे। दोपहर के समय दोनों मासूम बच्चियां (8 वर्षीय बेटी और 8 वर्षीय भतीजी) घर के बाहर खेल रही थीं। इसी दौरान आरोपी धनीराम कुशवाहा वहां पहुंचा और मासूमों को अपनी बातों में फंसाकर दुकान से कुरकुरे दिलाया। इसके बाद वह उन्हें बहलाकर अपने साथ खेत में बनी एक मड़ैया के पास ले गया। मड़ैया में ले जाकर आरोपी ने दुर्भावनापूर्ण नीयत से बच्चियों को कपड़े उतारने के लिए विवश किया और स्वयं भी कपड़े उतारकर उनके साथ अश्लील हरकतें करने लगा। मासूम बच्चियां बुरी तरह घबरा गईं। इसी बीच बच्चियों की दीदी/दादी अचानक वहां पहुंच गईं। परिजनों को आता देख आरोपी धनीराम कुशवाहा घबराकर मौके से फरार हो गया। घर लौटकर डरी-सहमी बच्चियों ने पूरी आपबीती माता-पिता को बताई, जिसके बाद बड़वारा थाने में शिकायत दर्ज कराई गई।

बड़वारा पुलिस द्वारा त्वरित विवेचना पूरी कर आरोपी के खिलाफ विशेष न्यायालय पॉक्सो में आरोप पत्र (चार्जशीट) पेश किया गया था। विचारण के दौरान विशेष लोक अभियोजक आशुतोष द्विवेदी ने अदालत के समक्ष सभी महत्वपूर्ण चश्मदीद गवाह, चिकित्सीय साक्ष्य और अकाट्य दस्तावेजी प्रमाण प्रस्तुत किए। अभियोजन के तर्कों से पूरी तरह सहमत होते हुए न्यायाधीश ने आरोपी धनीराम को सलाखों के पीछे भेजने का आदेश जारी किया।

निगमायुक्त ने बैठक में समीक्षा कर अधिकारियों को दिए निर्देश

वसूली में लायें तेजी, निर्माण कार्यों को समय सीमा में कराएं पूर्ण

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

नागरिकों को सम्मानजनक एवं सुरक्षित आवास उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित शासन की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत संचालित विभिन्न कार्यों की समीक्षा हेतु बुधवार को निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार द्वारा विस्तृत बैठक आयोजित की गई। बैठक में योजना के विभिन्न घटकों की प्रगति की समीक्षा करते हुए निगमायुक्त ने लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण एवं सभी कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना 1.0 के बी.एल.सी. घटक अंतर्गत लंबित आवासों की समीक्षा करते हुए निगमायुक्त ने चरणबद्ध कार्ययोजना बनाकर उन्हें शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। वहीं प्रेमनगर-खिरहनी स्थित ए.एच.पी. घटक के अंतर्गत निर्मित ईडब्ल्यूएस आवासों के पंजीकृत हितग्राहियों से अंशदान राशि जमा कराकर आवंटन प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही बिलहरी मोड़ स्थित निर्माणाधीन ईडब्ल्यूएस आवासों की प्रगति की समीक्षा कर निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने पर विशेष जोर दिया गया।

निगमायुक्त सुश्री परिहार ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आरआरसी जारी हितग्राहियों से देय राशि की वसूली कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध ढंग से वसूली की कार्रवाई पूर्ण करें तथा नियमित प्रगति सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं राजस्व लक्ष्यों की पूर्ति के लिए सभी अधिकारी पूर्ण गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करें। प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के बी.एल.सी. घटक की समीक्षा के दौरान जानकारी दी गई कि प्रथम किस्त प्राप्त करने के बावजूद कुछ हितग्राहियों द्वारा अब तक निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है। इस पर निगमायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऐसे हितग्राहियों से समन्वय स्थापित कर आगामी सात दिवस के भीतर निर्माण कार्य प्रारंभ कराया जाए। निर्धारित अवधि में कार्य प्रारंभ नहीं होने की स्थिति में संबंधित हितग्राहियों को नियमानुसार नोटिस जारी कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में निगमायुक्त ने शासन से प्राप्त प्रथम किस्त की राशि अन्य शेष पात्र हितग्राहियों के खातों में समय-सीमा में वितरित करने, योजना अंतर्गत विद्युतीकरण सहित अन्य निर्माणाधीन कार्यों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित अवधि में पूर्ण कराने तथा पूर्व में आवंटित आवासों के विक्रय-विलेख (रजिस्ट्री) की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को हितग्राहियों से समन्वय स्थापित कर जिला पंजीयक कार्यालय के माध्यम से आवश्यक कार्यवाही समयबद्ध रूप से पूर्ण कराने के निर्देश दिए।समीक्षा बैठक में कार्यपालन यंत्री सुधीर मिश्रा, सहायक यंत्री एवं योजना के नोडल अधिकारी अनिल जायसवाल, उपयंत्री जे.पी. बघेल, मृदुल श्रीवास्तव, मोना करेरा सहित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

आज हरिद्वार के लिये रवाना होंगे जिले के 262 तीर्थयात्री

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत शुक्रवार 03 जुलाई 2026 से 06 जुलाई 2026 तक आयोजित हरिद्वार ऋषिकेश तीर्थ यात्रा के लिए कटनी जिले से 262 तीर्थ यात्रा विशेष ट्रेन द्वारा कटनी मुड़वारा रेलवे जंक्शन से रवाना होंगे। नगर निगम उपायुक्त श्रीमती प्रियंका झारिया ने तीर्थयात्रियों के स्वागत एवं यात्रा से पूर्व आवश्यक व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित एवं समयबद्ध रूप से सुनिश्चित करने के लिए कर्मचारियों की ड्यूटी निर्धारित करते हुए आवश्यक दायित्व सौंपे है।

जारी आदेश के अनुसार संपूर्ण व्यवस्थाओं के प्रभारी अधिकारी के रूप में राजस्व अधिकारी श्री जोगेश्वर प्रसाद पाठक को नियुक्त किया गया है। रेलवे स्टेशन परिसर में 15×15 फीट का पंडाल, 50 कुर्सियां, टिकट वितरण व्यवस्था, 10 टेबल, बैटरी युक्त माइक-साउंड सिस्टम तथा आवश्यकतानुसार अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी संबंधित अधिकारियों को सौंपी गई है। इसके साथ ही नगर निगम द्वारा जनप्रतिनिधियों एवं पार्षदों को सम्मान पूर्वक आमंत्रित करने, कार्यक्रम की फोटो एवं वीडियोग्राफी तथा समाचार पत्रों एवं अन्य माध्यमों से प्रचार-प्रसार की जिम्मेदारी भी जनसंपर्क शाखा के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दी गई है।

रेलवे स्टेशन परिसर में साफ-सफाई, चूना लाइन, स्वच्छ पेयजल स्टॉल की व्यवस्था तथा तीर्थयात्रियों के स्वागत के लिए फूल-माला, टीका-चंदन, रोली, हल्दी, आदि की व्यवस्था हेतु भी अलग-अलग अधिकारियों को दायित्व सौंपे गए हैं।

खबर संक्षेप

अनूपपुर में रातभर रुक-रुक कर बरसे मेघ खरीफ की बुवाई ने पकड़ी रफ्तार

अनूपपुर। जिले में गुरुवार रात से रुक-रुक कर हो रही बारिश ने किसानों के चेहरों पर राहत लौटा दी है। लगातार हो रही वर्षा से खेतों में पर्याप्त नमी बनने लगी है, जिसके चलते किसान खरीफ सीजन की बुवाई में तेजी से जुट गए हैं। जिले में अब तक खरीफ फसलों की करीब 21 प्रतिशत बुवाई पूरी हो चुकी है और अगले कुछ दिनों तक अच्छी बारिश जारी रहने पर यह रफ्तार और बढ़ने की उम्मीद है। बारिश के बाद किसान धान, सोयाबीन, मक्का, उड़द और अन्य खरीफ फसलों की बुवाई के लिए खेत तैयार करने में लगे हैं। कृषि विभाग भी किसानों को मौसम की स्थिति को देखते हुए समय पर बुवाई और उन्नत कृषि तकनीकों को अपनाने की सलाह दे रहा है। मौसम विभाग के अनुसार मध्य प्रदेश में अगले 72 घंटे तक कई जिलों में बारिश और गरज-चमक का दौर जारी रहने की संभावना है। ऐसे में किसानों के लिए यह बारिश खरीफ सीजन के लिहाज से लाभदायक मानी जा रही है, हालांकि आकाशीय बिजली और तेज हवा को देखते हुए सतर्क रहने की भी सलाह दी गई है। कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि यदि अगले कुछ दिनों तक इसी तरह बारिश होती रही तो जिले में खरीफ फसलों की बुवाई तेजी से पूरी हो सकेगी और उत्पादन की बेहतर संभावना बनेगी। वहीं प्रशासन ने किसानों से मौसम विभाग के अलर्ट पर नजर रखने और खराब मौसम के दौरान खेतों में अनावश्यक रूप से नहीं जाने की अपील की है।

पार्थिव देह ससम्मान लाने में जुटा जिला प्रशासन

रोजी-रोटी की तलाश में गए अनूपपुर के दो श्रमिकों की कर्नाटक की ग्रेनाइट खदान में दर्दनाक मौत

40 फीट ऊंचाई से गिरी विशाल चट्टान, दो श्रमिक घायल होकर लौटे सुरक्षित

अनूपपुर। रोजगार की तलाश में कर्नाटक गए अनूपपुर जिले के चार श्रमिकों पर गुरुवार को दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। बेंगलुरु के समीप मदापट्टना स्थित ग्रेनाइट खदान में अचानक विशाल चट्टान गिरने से दो श्रमिकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। हादसे के बाद अनूपपुर जिले में शोक की लहर है। जिला प्रशासन ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए पार्थिव देह को ससम्मान गृहग्राम लाने, घायलों के उपचार और पीड़ित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए पूरी प्रशासनिक मशीनरी को सक्रिय कर दिया है। कर्नाटक प्रांत की ग्रेनाइट खदान में हुए इस भीषण हादसे में जनपद पंचायत जैतहरी की ग्राम पंचायत सेमरवार (वार्ड क्रमांक-9) निवासी भुवनेश्वर सिंह गोंड (36 वर्ष) तथा ग्राम पंचायत सिंधौरा निवासी राजेश कुमार चौधरी (22 वर्ष) की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं जिले के छोटेलाल और गुलाब सिंह घायल हो गए। उपचार के बाद दोनों की हालत सामान्य बताई गई है और उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। जानकारी के अनुसार हादसे के समय खदान में कई श्रमिक कार्य कर रहे थे। इसी दौरान करीब 40 फीट ऊंचाई से ग्रेनाइट की विशाल चट्टान अचानक भरभराकर नीचे आ गिरी, जिससे कई श्रमिक मलबे में दब गए। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, प्रशासन और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंचा। कई घंटे तक चले रेस्क्यू अभियान के बाद घायलों और मृतकों को बाहर निकाला गया। प्रारंभिक जांच में चट्टान खिसकने को दुर्घटना का कारण माना गया है, जबकि पूरे मामले की विस्तृत जांच की जा रही है।

हादसे के बाद जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय

घटना की सूचना मिलते ही कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी हर्षल पंचोली ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल सक्रिय कर दिया। उन्होंने कर्नाटक प्रशासन, अस्पताल प्रबंधन और स्थानीय अधिकारियों से लगातार संपर्क बनाए रखने तथा समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि दोनों दिवंगत श्रमिकों के पार्थिव शरीरों को शीघ्र ससम्मान उनके गृहग्राम लाने और प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं प्राथमिकता के आधार पर की जा रही हैं।

सीईओ जिला पंचायत रख रहीं पूरी निगरानी

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अर्चना कुमारी ने बताया कि जिला प्रशासन की टीम लगातार प्रभावित परिवारों के संपर्क में है। गृह विभाग, कर्नाटक प्रशासन और अन्य संबंधित एजेंसियों के समन्वय से सभी कानूनी एवं प्रशासनिक औपचारिकताएं तेजी से पूरी कराई जा रही हैं, ताकि दोनों पार्थिव देह को जल्द से जल्द ससम्मान अनूपपुर लाया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रशासन इस कठिन समय में प्रभावित परिवारों के साथ पूरी संवेदनशीलता से खड़ा है और हरसंभव प्रशासनिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

घायल श्रमिकों की हालत सामान्य

दुर्घटना में घायल छोटेलाल और गुलाब सिंह का उपचार पूरा हो चुका है। चिकित्सकों के अनुसार दोनों की स्थिति सामान्य है और उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। जिला प्रशासन उनके स्वास्थ्य की भी लगातार निगरानी कर रहा है।

सुरक्षा व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल

इस दर्दनाक हादसे ने एक बार फिर दूसरे राज्यों में कार्यरत श्रमिकों की सुरक्षा व्यवस्था और खदानों में सुरक्षा मानकों के पालन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। श्रमिक संगठनों का कहना है कि खदानों में सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन किया जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। हादसे की खबर मिलते ही सेमरवार, सिंधौरा और आसपास के गांवों में मातम पसर गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पूरे जिले में शोक का माहौल है और लोग दिवंगत श्रमिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त कर रहे हैं।

घर में घुसकर अधिवक्ता पर चाकू से हमला करने के आरोपी की जमानत खारिज

अनूपपुर। अधिवक्ता के घर में घुसकर चाकू से हमला और मारपीट करने के मामले में जिला एवं सत्र न्यायालय ने आरोपी को राहत देने से इनकार कर दिया है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती माया विश्वलाल ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी अनिल नायक की जमानत याचिका निरस्त कर दी। जिला लोक अभियोजक कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, आरोपी अनिल नायक (27 वर्ष), निवासी घनश्याम नगर, रायपुर (छत्तीसगढ़) ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर अधिवक्ता रामपाल परस्ते, निवासी लमसरई, राजेंद्रग्राम के घर में घुसकर गाली-गलौज की और उनके साथ मारपीट की। आरोप है कि इस दौरान आरोपी ने चाकू से हमला कर उन्हें घायल भी कर दिया। घटना के बाद पीड़ित अधिवक्ता रामपाल परस्ते की शिकायत पर थाना करनपठार में अपराध क्रमांक 123/2026 दर्ज किया गया। पुलिस ने मामले में भारतीय न्याय संहिता, 2023 की विभिन्न धाराओं तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 की संबंधित धाराओं के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया। मामले में आरोपी अनिल नायक की ओर से जमानत के लिए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया था। सुनवाई के दौरान शासन की ओर से जिला लोक अभियोजक कार्यालय की ओर से पैरवी करते हुए लोक अभियोजक पुष्पेन्द्र कुमार मिश्रा ने अपराध की गंभीरता, साक्ष्यों एवं परिस्थितियों का हवाला देते हुए जमानत का विरोध किया। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद न्यायालय ने मामले की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए आरोपी की जमानत याचिका निरस्त कर दी। आरोपी 15 मई से जिला जेल अनूपपुर में निरुद्ध है।

प्री-मानसून की झमाझम बारिश से तरबतर हुआ अमरकंटक

अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक में प्री-मानसून ने दमदार दस्तक दे दी है। झमाझम बारिश से जहां नदी-नाले उफान पर हैं और नगर की कई सड़कें जलमग्न हो गई हैं, वहीं पहाड़ों पर छाई धुंध और चारों ओर फैली हरियाली ने अमरकंटक की प्राकृतिक सुंदरता में चार चांद लगा दिए हैं। बारिश से लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली है, लेकिन जलभराव ने आवागमन की मुश्किलें भी बढ़ा दी हैं। पिछले कई दिनों से रुक-रुक कर हो रही बारिश ने अब जोर पकड़ लिया है। शुक्रवार को हुई तेज वर्षा के बाद अमरकंटक के पहाड़ी क्षेत्रों से उतरने वाला पानी तेजी से नदी-नालों में पहुंचा, जिससे कई छोटे जलस्रोत लबालब भर गए। तेज बहाव के कारण निचले इलाकों में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। बारिश के बाद पवित्र नगरी का प्राकृतिक सौंदर्य अपने चरम पर नजर आया। चारों ओर हरियाली की चादर बिछ गई है, जबकि पहाड़ियां बादलों और धुंध की सफेद चादर में लिपटी दिखाई दीं। मौसम में आई ठंडक से स्थानीय लोगों के साथ-साथ यहां पहुंचे पर्यटकों ने भी राहत महसूस की। कई पर्यटक बारिश के बीच प्राकृतिक दृश्यों का आनंद लेते नजर आए। वहीं दूसरी ओर लगातार हो रही बारिश ने नगर की व्यवस्थाओं की भी पोल खोल दी। कई प्रमुख सड़कों और निचले इलाकों में जलभराव हो गया, जिससे राहगीरों और दोपहिया वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण कई स्थानों पर सड़कें तालाब जैसी दिखाई दीं। ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़ने वाले कुछ छोटे नदी-नालों का जलस्तर भी बढ़ गया, जिससे लोगों को सावधानी बरतनी पड़ी। मौसम विभाग के अनुसार आगामी दिनों में वर्षा की गतिविधियों में और तेजी आने की संभावना है। इसे देखते हुए प्रशासन ने लोगों से नदी-नालों के समीप अनावश्यक रूप से नहीं जाने, तेज बहाव वाले क्षेत्रों से दूरी बनाए रखने तथा मौसम संबंधी सलाह का पालन करने की अपील की है। प्री-मानसून की पहली प्रभावी बारिश ने जहां अमरकंटक की वादियों को नई ताजगी और सौंदर्य प्रदान किया है, वहीं जलभराव की समस्या ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि मानसून के मुख्य दौर से पहले नगर में जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करना और सुरक्षा इंतजाम मजबूत करना बेहद जरूरी है। यदि समय रहते व्यवस्थाओं में सुधार नहीं हुआ तो लगातार बारिश के दौरान लोगों की परेशानियां और बढ़ सकती हैं।

स्कूली बच्चों और यात्रियों की सुरक्षा पर प्रशासन सख्त

अनूपपुर। स्कूली बच्चों और आम नागरिकों की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए अनूपपुर पुलिस और परिवहन विभाग ने बस संचालकों को स्पष्ट चेतावनी दी है कि सुरक्षा मानकों की अनदेखी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन संचालकों के खिलाफ मोटरयान अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब के निर्देश पर शुक्रवार को थाना यातायात में जिला परिवहन अधिकारी एवं यातायात प्रभारी की मौजूदगी में स्कूल और यात्री बस संचालकों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य जिले में संचालित बसों में सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करना तथा परिवहन व्यवस्था को अधिक सुरक्षित और व्यवस्थित बनाना था। बैठक में बस संचालकों को निर्देश दिए गए कि सभी वाहन निर्धारित सुरक्षा मानकों के अनुरूप संचालित किए जाएं। जिन बसों के इमरजेंसी एग्जिट (आपातकालीन द्वार) खराब या बंद हैं, उन्हें तत्काल दुरुस्त कराया जाए ताकि किसी भी आपात स्थिति में स्कूली बच्चों और यात्रियों की सुरक्षित निकासी संभव हो सके। इसके अलावा बसों की फिटनेस, वैध परमिट, बीमा, प्रदूषण प्रमाण-पत्र, फर्स्ट एड बॉक्स, अग्निशमन यंत्र, स्पीड गवर्नर तथा सीसीटीवी जैसी सभी आवश्यक सुरक्षा व्यवस्थाओं को अनिवार्य रूप से दुरुस्त एवं क्रियाशील रखने के निर्देश दिए गए। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि ओवरलोडिंग, ओवरस्पीडिंग, नशे की हालत में वाहन चलाना तथा ड्राइविंग के दौरान मोबाइल फोन का उपयोग जैसे गंभीर उल्लंघनों पर मोटरयान अधिनियम के तहत कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही बसों के चालक और परिचालकों के वैध दस्तावेजों तथा उनके पुलिस सत्यापन की भी नियमित जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में जिला परिवहन अधिकारी सुरेन्द्र गौतम और यातायात प्रभारी विनोद दुबे ने बस संचालकों से जिम्मेदारी और अनुशासन के साथ परिवहन व्यवस्था संचालित करने की अपील की। अधिकारियों ने कहा कि स्कूली बच्चों और आम यात्रियों की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए नियमों की अनदेखी करने वालों के विरुद्ध बिना किसी ढिलाई के दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। बैठक में जिले के स्कूल एवं यात्री बस संचालकों सहित परिवहन विभाग और पुलिस विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। प्रशासन ने सभी संचालकों से सुरक्षित, जिम्मेदार और नियमबद्ध परिवहन व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने का आह्वान किया।

कोयले की काली धूल में घुट रही बिजुरी की सांसें

माँ शारदा लॉजिस्टिक व सांई कृपा इंटरप्राइजेज की कोल साइडिंग पर उठे सवाल

ओवरलोड ट्रकों से सड़क जर्जर, प्रदूषण से लोगों का जीना दूभर

हरिभूमि न्यूज बिजुरी। विकास और औद्योगिक गतिविधियों के बीच बिजुरी का कपिलधारा क्षेत्र इन दिनों गंभीर पर्यावरणीय संकट से जूझ रहा है। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि माँ शारदा लॉजिस्टिक एवं सांई कृपा इंटरप्राइजेज की कोल साइडिंग से हो रहे कोयला परिवहन के कारण पूरे इलाके में कोयले की काली धूल फैल रही है। भारी और कथित ओवरलोड वाहनों की लगातार आवाजाही से सड़कें समय से पहले उखड़ने लगी हैं, जबकि धूल से लोगों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है।

कभी शांत और स्वच्छ वातावरण के लिए पहचाना जाने वाला कपिलधारा क्षेत्र आज दिनभर उड़ती कोयले की धूल और भारी ट्रकों के शोर से प्रभावित है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि सुबह से देर रात तक कोयले से लदे ट्रकों का आवागमन जारी रहता है। ट्रकों के गुजरते ही धूल का घना गुबार उठता है, जिससे आसपास के घरों, दुकानों, पेयजल स्रोतों और दैनिक उपयोग की वस्तुओं पर काली धूल की परत जम जाती है। लोगों का कहना है कि दिन में कई बार सफाई करने के बावजूद कुछ ही समय बाद फिर वही स्थिति बन जाती है। क्षेत्रवासियों के अनुसार सबसे अधिक परेशानी बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को हो रही है। लगातार उड़ती धूल के कारण सांस लेने में तकलीफ, आंखों में जलन, एलर्जी, खांसी और दमा जैसी शिकायतें बढ़ रही हैं। नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो यह समस्या आने वाले समय में और गंभीर रूप ले सकती है।

एक साल पहले बनी सड़क भी हुई बदहाल

स्थानीय लोगों का कहना है कि कपिलधारा मार्ग का निर्माण लगभग एक वर्ष पहले हुआ था, लेकिन भारी एवं कथित ओवरलोड वाहनों के लगातार दबाव से सड़क कई स्थानों पर उखड़ने लगी है। जगह-जगह गड्ढे और दरारें बनने से दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। बरसात में स्थिति और गंभीर होने की आशंका जताई जा रही है। लोगों का कहना है कि इस सड़क के निर्माण के लिए लंबे समय तक संघर्ष करना पड़ा था, लेकिन अब यह समय से पहले ही क्षतिग्रस्त होती दिखाई दे रही है।

धूल नियंत्रण के उपायों पर उठ रहे सवाल

स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि कोयला परिवहन करने वाले कई वाहन बिना तिरपाल के चलते हैं और धूल नियंत्रण के लिए नियमित जल छिड़काव भी पर्याप्त नहीं किया जाता। लोगों का कहना है कि यदि फॉग कैनन, स्प्रिंकलर सिस्टम और अन्य पर्यावरणीय उपायों का प्रभावी ढंग से पालन कराया जाए तो प्रदूषण को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। उन्होंने संबंधित विभागों द्वारा नियमित निरीक्षण और पर्यावरणीय मानकों के कड़ाई से पालन की भी मांग की है।

प्रशासन से निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग

क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से कोल साइडिंग और परिवहन व्यवस्था की निष्पक्ष जांच कराने, कथित ओवरलोड वाहनों पर कार्रवाई करने, सभी ट्रकों को तिरपाल से ढककर चलाना अनिवार्य कराने, नियमित जल छिड़काव सुनिश्चित करने तथा कपिलधारा मार्ग की शीघ्र मरम्मत कराने की मांग की है। साथ ही प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े विभागों द्वारा नियमित निगरानी कर पर्यावरणीय नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने की भी अपील की है।